Mk- loZiYyh jk/kkd".ku jktLFkku vk;qosZn fo'ofo|ky; lekpkfjdh

Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

vk;qosZnkRed T;kfr% 'kk'ora u% idk'krke~A

o"kZ 4 | vad&2 | 01 vDVwcj 2020

bl vad esa

	i`"B
fo'ofo|ky; o **CCRAS** esa **MoU**/vuqla/kku dk;Z dk lekpkj	2
LorU=rk fnol@o{kkjk.k@pjd t;Urh dk lekpkj	3
fp= ohfFkdk	4]5
fo'ofo|ky; v[kckjksa dh lqf[k;ksa esa	6
fofo ekuo lalk/ku fodkl dsUnz }kjk vkuykbu 0;k[;kuksa dk lekpkj	7
ladk; lnL;ksa }kjk fjlpZ isij izdk'ku o 0;k[;ku izLrqfr;k	8

dqyifr lUns'k

वर्तमान वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण एक बार तो कालचक्र मानो थम सा गया था। परन्तु अदम्य साहस और चरैवेति के दृढ़ संकल्प को चरितार्थ करने वाली मनुज की कर्मिष्ठा वृत्ति ने कालचक्र को पुनः गतिमान कर दिया। ऐसी विकट परिस्थितियां ही हौसले बुलन्द करती हैं। कोविड–19 के इस विकट काल ने दूरस्थ शिक्षण एवं ज्ञान–विज्ञान के और संचारिक नवाचारों का नवयुगीन स्वरूप प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग ने सतत व्याख्यानों की श्रृंखला आयोजित करके नवाचार पथ पर कदम से कदम मिलाकर अपना उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया है। ऑनलाईन माध्यम से शिक्षण–प्रशिक्षण क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवायी है। विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना के उपचार में किये गये अनुसंधान का ब्रिटिश रिसर्च जर्नल में मुद्रित होना विश्वविद्यालय परिवार के लिये गौरव का विषय है। इस हेतु विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य बधाई का पात्र है। शिक्षण की सुचारू व्यवस्था के साथ परीक्षा सम्बंधी कार्य भी प्राथमिकता के साथ विश्वविद्यालय के द्वारा सम्यक रूप से सम्पन्न करवाया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय द्वारा परिसर एवं गोदग्रामों घड़ाव एवं झालामण्ड में औषधीय महत्व के वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण शुद्धि हेतु ने सदैव की भांति अपनी तत्परता दर्शायी है। सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों की पूर्णतः अनुपालना में विश्वविद्यालय सभी कर्त्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर मुस्कुराते भारत की संकल्पना हेतु कृतसंकल्प है। अन्त में –

ge dHkh u #dsa] ge'kk pyrs jgsaA jkg esa Hkys vk;s fdruh gh eqf'dysa] ge pyrs jgsaA
lkoZtfud LFkkuksa ij j[ks nks xt dh njhA vkj dkjkuk ls cpko gsrq ekLd gks t:jhA

विश्वविद्यालय के ये कदम प्रगति पथ पर यूं ही निरन्तर आगे की ओर बढ़ते रहें और उन्नति के अनुपम सोपान प्राप्त करते हुए मानव कल्याण हेतु अनवरत सन्नद्ध रहे। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार

dqyifr izks- vfHkeU;q dqekj jkT; Lrjh; vk;qosZn foHkkxh; lykgdkj lfefr esa eukuhr

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार को राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मन्त्री की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय आयुर्वेद विभागीय सलाहकार समिति में मनोनीत किया गया है। यह समिति विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के लिए संवर्द्धनात्मक प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षण/प्रशिक्षण के सुदृढ़ीकरण, राज्य में आयुर्वेद चिकित्सा के विकास हेतु अपने सुझाव राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगी।

dqyifr izks- vfHkeU;q dqekj dk jk"Vªh; Lrj ij vk;ksftr fofHkUu ofcukj esa eq[; vfrfFk@eq[; oDrk ds :i esa mn~cks/ku

National Webinar on Child Health Care through Ayurveda on 9 July 2020 organized by Bundelkhand Govt. Ayd. College, Jhansi, UP
International Webinar on Nutrition & Scope of Ayurvedic Fundamentals in Management of Malnutrition on 3 Sep. 2020 organized by PG Dept. of Kaumarbhritya, State Ayurved College, Lucknow, UP
National Breastfeeding Awareness Web Programme (Amritam-2020) on 6.08 2020 organized by Dept. of Bala Roga, Uttarakhand Ayurved University, Rishikul Campus, Haridwar, Uttaranchal
International Webinar on Nutrition for Mother & Child Health Care on 24.09.2020 organized by SRM State Ayd. College,Bareilly, UP
Ayurtalks on 19 September 2020 organized by World Ayurveda Foundation, Bangalore, Karnataka
National Consultation on Swarna Prashna on 27.09. 2020 organized by Ministry of AYUSH, Govt. of India
International Web Conference on Kaumarbhritya on 29.09.2020 org. by Govt. PG Ayurved College, Varanasi
National Webinar on Applied Aspect of Sroto-Shaarir WSR to Medovaha Srotas on 27.09.2020 org. by Aarogya Mitra Samiti, Jabalpur

RAJBIL/2017/74087

vk;qon vuql/kku dh x.koÙkk gsrq fo'ofo|ky; ,o dUnzh; vk;qon foKku vuql/kku ifj"kn ds e/; MoU

आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यो में तेजी लाने एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्त निकाय केन्द्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) नई दिल्ली के मध्य आपसी समझ पत्र (MoU) पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार एवं CCRAS के महानिदेशक प्रो. करतार सिंह धीमान ने हस्ताक्षर किये। कुलसचिव श्री अरूण कुमार पुरोहित ने बताया की इस समझ पत्र के आधार पर प्रारम्भिक रूप से 05 वर्ष की अवधि तक संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले क्लिनिकल परिक्षणें के प्रोटोकॉल को बेहतर तरीके से विकसित किया जायेगा, साथ ही औषधीय पौधों के विस्तृत कृषिकरण करने, औषध–योग तैयार करने, औषधियों की कार्मुकता का परिक्षण करने, नैदानिक विधियों का विकास करने, तथा सम्बंधित अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर कार्ययोजना के अनुसार विभिन्न कार्य सम्पादित किये जायेंगे। श्री पुरोहित ने बताया कि CCRAS, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन आयुर्वेद में अनुसंधान कार्य के लिए सर्वोच्च निकाय है जिसके द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान के मापदण्डों के अनुसार मधुमेह व अन्य व्याधियों पर आयुर्वेद के महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्य सम्पादित किये गये है जिसके साथ आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा एम.ओ.यू. सम्पन्न होने के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय की अनुसंधानात्मक गतिविधियों में गुणवत्ता के साथ साथ अनेक परियोजनाओं पर कार्य सम्भव हो सकेंगे।

vk;qon foÜofo|ky; }kjk dksfoM&19 ij xqMph ?ku oVh d iz;kx ij vuql/kku dk;Z d lQy ifj.kke

कोरोना महामारी से जूझ रहे विश्व के संकट के इस दौर में भारत में भी इस संक्रमण से ग्रसित रोगियों की संख्या बहुत अधिक मात्रा में बढ़ती जा रही है। एक तरफ महामारी फैल रही है, वहीं दूसरी तरफ विश्व स्वास्थ सगठन एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग इसके ईलाज़ व बचाव के लिये कोई शत–प्रतिशत कारगर दवा या वैक्सीन अभी तक नहीं खोज पाये है। ऐसे समय में सभी की अपेक्षा व उम्मीद आयुर्वेद से जुड़ी है। इस हेतु भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने कोरोना वायरस की रोकथाम व चिकित्सा प्रबंधन हेतु अनुसंधान अनेक परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इसी कड़ी में आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा भी जोधपुर जिला प्रशासन एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग की स्वीकृति लेकर जोधपुर स्थित कोविड केयर केंद्, बोरानाड़ा में Evaluation of Efficacy and Safety of Ayurveda Intervention (Guduchi Ghan Vati) in management of COVID-19 infection (Asymptomatic & Mild symptoms)- An open label single arm prospective Clinical Trial के नाम से मृदु लक्षण युक्त व बिना लक्षण वाले कोरोना संक्रमित रोगियों पर आयुर्वेद औषधि पर अनुसंधान कार्य किया गया।

उक्त रिसर्च प्रोजेक्ट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार प्रधान अन्वेषक थे। इस रिसर्च कार्य के सह अन्वेषक डॉ. गोविन्द गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, रोग एवं विकृति विज्ञान, डॉ. संजय श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, शल्यतंत्र विभाग एवं विनोद कुमार गौतम, असिस्टेंट प्रोफेसर, कायचिकित्सा विभाग एवं डॉ. नेहा शर्मा, रिसर्च एसोसियेट यूनाईटेड किंगडम थे। रिसर्च हेतु विश्वविद्यालय के पीजी स्कालर्स डॉ. जितेन्द्र सांखला, डॉ तरुण मीणा, डॉ. गौरीशंकर, डॉ. अमित गहलोत, डॉ. अशोक यादव, डॉ. आदिल, डॉ. आरिफ, डॉ. सुलजीत, डॉ. योगेश, डॉ. हेमंत, डॉ. हर्ष, डॉ. जितेन्द्र कुमावत, डॉ. हिमांशु, डॉ. मनोज मीणा को कोविड केयर बोरानाडा में नियुक्त किया गया जिनके द्वारा वहीं पर रहकर नियमित रोगियों की केस शीट भरना, उनकी प्रतिदिन की प्रगति को नोट करना, आयुर्वेद औषध देना व उनकी नियमित जॉंच आदि कार्य सम्पादित किये गये। इस अनुसंधान में प्रत्येक रोगी को गुडूची घन वटी 500 मिलिग्राम दिन में दो बार 30 दिन तक के लिये दी गयी। सभी रोगियों को दवा देने के चार पॉंच दिन बाद कोरोना की जॉंच करवायी गयी जिसमें सभी रोगी कोरोना नेगेटिव पाये गये। नेगेटिव आने पर सभी को घर भेज दिया गया व लगातार 30 दिन तक यही दवा चालू रखी गयी। सभी मरीजों के दवा प्रारम्भ करने के पूर्व व दवा समाप्त होने के बाद रक्त की जॉंच भी करवायी गयी जिसमें इम्यूनोग्लोबुलीन आदि मानकों पर भी दवा के अच्छे परिणाम प्राप्त हुये। अनुसंधान से सम्बधित समस्त डेटा के संकलन का कार्य डॉ. विनोद गौतम के सुपरविजन में विश्वविद्यालय के पीजी स्कालर्स की टीम ने किया जिसमें डॉ. एकता शर्मा, डॉ. मधु, डॉ. निशा शर्मा, एवं डॉ. मेघा शुक्ला शामिल रहीं। उक्त अनुसन्धान के आधार पर यह कहा जा सकता है कि गुडूची घन वटी के नियमित प्रयोग से कोरोना संक्रमित रोगी के कोरोना टेस्ट के नेगेटिव होने की अवधि कम हुई।

;fuofIVh dkyst vkQ vk;qon dh Nk=k jkT; Lrjh; fucU/k ifr;kfxrk e r`rh; LFkku ij fot;h

डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउण्डेशन, जयपुर राजस्थान की ओर से दिनांक 26 नवम्बर .2019 को राज्यस्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें राजस्थान प्रान्त के अनेक महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया था। उक्त प्रतियोगिता के सितम्बर–2020 माह में घोषित परिणामों में विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद की BAMS 2019 बैच की छात्राओं मनीषा कुमावत एवं सिमरन गोयल ने राज्य स्तर पर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए पुरस्कार स्वरूप 3100 एवं 2100 रु. की राशि जीती।

fo'ofo|ky; ifjlj ,oa l?kVd laLFkkvksa esa Lora=rk fnol dk vk;kstu

15 अगस्त 2020 को विश्वविद्यालय के कड़वड़ परिसर में देश का पचहत्तरवां स्वतंत्रता दिवस गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने राष्ट्र सेवा के रूप में जनकल्याण हेतु आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ समाज–स्वस्थ राष्ट्र की भावना से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। स्वतंत्रता दिवस पर संघटक महाविद्यालयों यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, टोंक व श्री कनीराम सालगराम टॉक नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूंजला, जोधपुर में भी वहां आयोजित गरिमामय कार्यक्रमों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

fo'ofo|ky; ifjlj esa vk;ksftr cgn o`{kkjksi.k vfHk;ku esa 1000 fofo/k vkS"k/kh; o`{kksa dk jksi.k

राजभवन सचिवालय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय परिसर में भागवार 1000 विविध औषधीय वृक्षों के आरोपण हेतु एक अभियान का ायोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस अभियान का भारम्भ दिनांक 15.08 2020 माननीय कुलपति महोदय द्वारा वृक्षारोपण र किया गया। इस अभियान में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, ोधपुर के स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभाग द्वारा महाविद्यालय के समस्त भागों को सम्मिलित करते हुए अलग–अलग दिनों में आबंटित विभागों ि शिक्षकों एवं स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक बढ़–चढ़ र नीम, जामुन, आम, शिरीष, खदिर, इमली, कैथ जैसे अनेक पौधे जो र्णतः विश्वविद्यालय के वनौषधि उद्यान में ही विकसित किये गये है, नका रोपण विश्वविद्यालय परिसर में महाविद्यालय, रसायनशाला, केन्द्रीय स्तकालय, छात्रावास, केन्टीन आदि विभिन्न स्थानों पर किया गया। इसी ‌म में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक एवं श्री कनीराम सालगराम टॉक नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, मगरा पूंजला, जोधपुर में भी क्षारोपण अभियान की शुरुआत हुई।

pjd t;Urh ds volj ij vkuykbu O;k[;ku dk vk;kstu

दिनांक 25 जुलाई 2020 को विश्वविद्यालय के मौलिक सिद्धांत विभाग की ओर से चरक जयन्ती के अवसर पर ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन के मार्गदर्शक एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने चरक जयन्ती की बधाई देते हुए कहा कि चरक संहिता में वर्णित सिद्धान्त सामाजि स्वास्थ्य संरक्षण में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं। इनका जीवन में पूर्ण मनोयोग से अनुपालन करना नितान्त अनिवार्य है। मुख्य वक्ता एवं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़ ने pjd lafgrk dk oSf'k"V; विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि चरक संहिता मानव समाज हेतु सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के रूप में एक सम्पूर्ण व्यवस्था है। यदि मनुष्य इसमे वर्णित स्वस्थवृत्त का नियमानुसार पालन करेगा तो वह कभी रोगी नहीं होगा। कार्यक्रम में समस्त प्रतिभागियों ने चरक संहिता सूत्र स्थान अध्याय तीन का सस्वर संहिता पाठ किया। व्याख्यान समन्वयक मौलिक सिद्धांत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा, आयोजन सचिव विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास केन्द्र के मुख्य समन्वयक डॉ. राकेश शर्मा एवं सह–समन्वयक मौलिक सिद्धान्त विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र सिंह चाहर व डॉ. मोनिका वर्मा थे।

Mk- jkts'k 'kekZ dk ljnkj iVsy iqfyl fo'ofo|ky;] tks/kiqj esa p;u lfefr ds lnL; ds :i esa euksu;u

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद में स्नातकोत्तर शरीर क्रिया विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा को राजस्थान के महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र द्वारा दिनांक 18 अगस्त 2020 को सरदार पटेल पुलिस एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर की चयन समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। डॉ. शर्मा का कार्यकाल मनोनयन की तिथि से एक वर्ष का होगा।

fp= ohfFkdk

ikpk;] ;fuofIZVh dk;Zy; vkQ vk;qoZn ik- xkfoUn lgk; 'kDy o vU; lnL; }kjk xkn xke ?kMko e vk;kftr o{kkjki.k vfHk;ku dk 'kHkkjEHk ,o ?kj&?kj verk vfHk;ku dk;Øe e xkeokfl;k dk fxyk; d ik/kk dk forj.k

uflx ifj'k{k.k dUnz iZtyj tk/kiqj e LorU=rk fnol ij dyifr egkn; }kjk 300 o{kk d jki.k vfHk;ku dk ikjEHk

;fuofIZVh dk;Zy; vkQ ;ukuh e o{kkjki.k vfHk;ku dk LorU=rk fnol d volj ij ikjEHk

ekuuh; dyifr egkn; }kjk Jh duhjke lkyxjke uflx ifj'k{k.k dUnz exjk iZtyj tk/kiqj e vk;kftr LorU=rk fnol d volj ij jk"Vh; /otk dk xfjeke; vkjkg.k

;fuofIZVh dk;Zy; vkQ ;ukuh] Vkd e LorU=rk fnol vk;kftr

fo'ofo|ky; ifjlj e dyifr egkn; d lkfUu/; e f'k{kd fnol dk vk;kstu

Mk- jkds'k 'kekZ] }kjk fyf[kr iLrd **A Handbook of Anatomical Terminology** dk dyifr }kjk foekpu

Mk- fnus'k jk;] lgk- vkpk;] ckyjkx fo'o vk;qon fe'ku] **BHU** }kjk f'k{kd fnol ij J"B f'k{kd ,o y[kd d :i e lEekfur

fo'ofo|ky; ifjlj esa o{kkjksi.k vfHk;ku ds vUrxZr lEdk; lnL;ksa ,oa Nk=ksa }kjk cgqr Lrj ij ikS/kkjksi.k fd;k x;k

LokLF; dY;k.k fpfdRlk egkfo|ky;] t;iqj }kjk 06-09-2020 dks nkrkyh xkao esa dksfoM&19 tkx#drk dk;Zdze dk vk;kstu

jk"Vªh; vk;qfoZn laLFkku] t;iqj esa 11-09-2020 dks efgykvksa esa iks"k.k fo"k;d ,d fnolh; dk;Z'kkyk dk vk;kstu

Jh Hkoj yky nxMh vk;qfoZn egkfo|ky;] ljnkj'kgj esa 2 Vu ifrfnu p.kk mRiknu dh {kerk ;qä ,d cgqr la;= dh LFkkiuk

LokLF; dY;k.k fpfdRlk egkfo|ky;] t;iqj esa fnukad 01 tqykbZ 2020 dks jk"Vªh; MkDVlZ Ms dk vk;kstu

Jh ,e,y fuokZ.k gkse;ksiSfFkd fpfdRlk egkfo|ky;] chdkusj esa Lora=rk fnol xfjekiw.kZ okrkoj.k esa vk;ksftr

Jh Hkoj yky nxMh vk;qfoZn egkfo|ky;] ljnkj'kgj esa LFkkfir dksfoM lsUVj esa jksfx;ksa }kjk ik.kk;ke dk vH;kl

f'k{kd fnol ds volj ij fo'ofo|ky; ds ;qfuofLkZVh dkyst vkQ vk;qosZn esa Nk=ksa }kjk xq# oUnu dk;Zdze vk;ksftr

fo'ofo|ky; v[kckjk dh lqf[k;k e

In changing scenario, alternative medicine has much to offer

Lots Of Students Are Exploring These Fields

parul.kulshrestha
@timesgroup.com

Jaipur: There has been a tremendous growth in alternate fields of medicine in the country in terms of research and job opportunities. Apart from allopathy, there has been a rise in the number of students who have started exploring these fields.

Dr Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurveda University in Jodhpur is offering various courses in streams of Ayush - ayurveda, yoga & naturopathy, unani and homeopathy.

With the establishment of the ministry of Ayush, these fields are seen as a growing area where more opportunities will come up in future.

Vice chancellor of ayurveda university Abhimanyu Kumar said, "Students are having a lot of interest in ayurveda as they are witnessing a shift in demand and acceptability of this system. Scope of higher studies, job perspectives and further research avenues has attracted the students to join the stream."

Students entering the ayurveda field are being taught Sanskrit to help them understand most of the ayurvedic shastras.

Slowly, unani and homeopathy systems are also drawing attention of students, but it will take some years to fill up the seats at the university, he added.

"In unani medicine, Muslim students are in majority as traditionally it ... community. However, with time, other students are showing interest as well. In homeopathy, the response is still low in Rajasthan, but we are expecting it to pick up pace with time," said Kumar.

In the outside world, there is huge demand for ... pears students are less interested in giving five years to become graduates. Most of the students want short-term courses.

Kumar explained, "Since the celebration of International Yoga Day, demand for certified yoga practitioners has increased ... thoughts of learning by joining a training or gym.

So they do not w... invest their time in ... ing a scientific ... Hence, more than h... our seats are vacan... with our degree in ...

COLLEGES AFFILIATED TO AYURVEDA UNIVERSITY

- Ayurveda: BAMS - 10 Colleges
- Homeopathy BHMS - 05 Colleges
- Unani: BUMS - 03 Colleges
- Yoga & Naturopathy BNYS - 08 Colleges
- Ayurveda Nursing BSc - 05 Colleges

ELIGIBILITY

- Class 10+2 with Biology stream
- NEET qualified
- University/State ayush counselling board advertise for admission to these courses

BEST INSTITUTIONS IN STATE

- Dr Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University, Jodhpur
- National Institute of Ayurveda, Jaipur
- MMM Govt Ayurveda College, Udaipur
- University College of Unani Medicine, Tonk

IN COUNTRY

- Dr Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University, Jodhpur (Rajasthan)
- All India Institute of Ayurveda, New Delhi
- Institute of Post Graduate Teaching & Research in Ayurveda, Gujarat Ayurved University, Jamnagar (Gujarat)
- National Institute of Ayurveda, Jaipur (Raj)
- Faculty of Ayurveda, Institute of Medical Sciences, BHU, Varanasi (UP)
- Govt. Ayurveda College, Thiruvananthpuram (Kerala)
- KLE College of Ayurveda, KLE University, Belgaum (Karnataka)

FUTURE PROSPEC...

- Graduates can go for hi... studies (Postgraduation - MD/MS in ayurveda) in 14 specialties of Ayurveda
- This facility is availabl... in more than 100 colleges across the country

SCOPE: PRIVATE PRACTIC...
Medical officers in govt dispensaries, hospitals, Wellness centres & Panchkarma clinics

POSTGRADUATION: TO WO... AS SPECIALIST IN AYURVE... HOSPITALS
Faculty in ayurveda colleges, Research officer in organisations, Drug manufacturing units

SEATS AVAILABLE ... EACH SUBJECTS

Ayurveda	BAMS- 7...
Unani	BUMS- 1...
Homeopathy	BHMS- 7...
Yoga & Naturopathy	BNYS- 7...

VACANT SEATS EVERY YEAR

Ayurveda	BAMS- N...
Unani	BUMS- N...
Homeopathy	BHMS- 1...
Yoga & Naturopathy	BNYS- 5...

After SC ruling, universities gear up for final-year exams

TIMES NEWS NETWORK

Jaipur: Supreme Court (SC) has ruled that final year students cannot be promoted without examinations which led all the educational institution in Rajasthan to start preparing for the same.

Rajasthan University (RU) administration said that they have already planned everything in advance and were just waiting for the final decision.

"More than 1 lakh students in university PG and UG final year in University and affiliated colleges will appear for the examinations. We had marked around 80 centres to conduct the examinations with proper distancing and safety. However, there is still a problem with students reaching the centres amid pandemic. The government must make special arrangements for transportation," said a university official.

University has already promoted first, second and third-year students as per government guidelines earlier but final year examinations will now be held.

In Rajasthan Technical University, Kota administration is planning to conduct examinations in two shifts. "Our committee will set up soon to decide the examination dates and procedure to conduct examinations for more than 10,000 students in University and colleges affiliated. We are planning to conduct examinations in either in two ...es for different ...ical and electri...cal. We will take the decision soon," said R A Gupta, vice-chancellor of university.

Bhagirath

An aerial view of the Rajasthan University premises in Jaipur

Surprisingly Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurveda University, Jodhpur has already started conducting their final year examinations. Abhimanyu Kumar explained, "In medicine, we cannot risk people's lives and validity of the students' degree later on. We are governed by Central Council for Indian Medicine (CCI) and we have not promoted any of our students. From August 21 to September 3, our final exam will continue and then exam dates of remaining years will be released."

Similarly, veterinary council of India has also not decided on the issue of promotion of students except final year. Veterinary universities of the state are still waiting for guidelines issued by the authorities to go ahead with the examination process.

क्लिनिकल ट्रायल : आयुर्वेद विवि का दावा

'गुडुची' को बताया हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन से भी बेहतर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. कोरोना के खौफ के बीच राजस्थान के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विवि जोधपुर ने चौंकाने वाला दावा किया है। विवि का दावा है कि आयुर्वेदिक दवा 'गुडुची घनवटी' से क्लिनिकल ट्रायल कर हाईड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) से भी कम समय में बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं। दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने इस ट्रायल को प्रकाशन के लिए लिया है और इसका प्री-प्रिंट संस्करण जनता के लिए जारी कर दिया है। विवि के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार का दावा है कि दुनिया के प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल में जगह पाने वाला यह आयुर्वेद का पहला क्लिनिकल ट्रायल है।

विवि ने बिना लक्षण वाले कोविड-19 संक्रमितों पर गुडुची घनवटी से इलाज का ट्रायल किया। इस दवा को शंसमनी वटी या गिलोय मिश्रण नाम से भी जाना जाता है। ट्रायल पंजीयन में दर्ज जानकारी के अनुसार ट्रायल सीधे विवि के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार की देखरेख में हुआ। अध्ययन ब्रिटेन स्थित आरोग्यम सेंटर में क्लिनिकल रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. नेहा शर्मा ने किया।

पढ़ें **गुडुची** @ पेज 05

'मेरा राजस्थान : लोक जीवन क...

क्लिनिकल टेस्ट के प्रोटोकॉल विकसित करेगा आयुर्वेद विवि

जोधपुर@पत्रिका. आयुर्वेद के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय और केंद्रीय आयुष मंत्रालय के स्वायत्त निकाय केन्द्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद ... कुलसचिव अरूण कुमार पुरोहित ने बताया कि प्रारम्भिक तौर पर 5 वर्ष की अवधि तक संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले क्लिनिकल परीक्षणों के प्रोटोकॉल को बेहतर तरीके से विकसित किया जाएगा। औषधीय पौधों के विस्तृत कृषिकरण करने, औषध योग तैयार करने, औषधियों की ...

जोधपुर स्थित आयुर्वेद विवि को एक माह के परीक्षण के बाद सफलता

गिलोय से पॉजिटिव को ठीक करने का दावा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. गिलोय के तने से बनी टेबलेट ने कोविड-19 रोगियों को बगैर किसी साइड इफैक्ट के स्वस्थ कर दिया। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एलोपैथी की अलग-अलग दवाइयां जहां 10 से 12 दिन में रोगी ...

1 महीने तक 40 मरीजों पर परीक्षण

जोधपुर स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विवि ने राज्य सरकार के बोरानाडा कोविड सेंटर में 30 मई से 30 जून तक परीक्षण शुरू किया गया। इसमें 18 से 60 वर्ष की आयु के 40 मरीजों का चुनाव किया गया। मरीजों को गिलोय की 500 मिलीग्राम की टेबलेट सुबह-शाम दी गई। कोरोना पॉजिटिव मरीज 3 से लेकर 7 दिन में नेगेटिव आ गए, लेकिन गिलोय का असर देखने के लिए एक महीने तक टेबलेट दी गई।

...ट पर अब शोध संभव

... दवाइयों में ...क ही कम्पोनेंट होता ... या साइड इफैक्ट ...किन आयुर्वेदिक ...डी-बूटी से इसमें ... आ जाते हैं। गिलोय ... कोरोना वायरस से लड़ रहा था, इस अब शोध की उम्मीद है। स्वस्थ व्यक्ति 500 मिलीग्राम की टेबलेट सुबह-शाम 15 दिन तक लेकर अपनी इम्यूनिटी बूस्ट कर सकते हैं। कोरोना मरीजों को यह ...

पहली बार गिलोय के तने का परीक्षण

गिलोय का तना इम्यूनिटी बढ़ाने व एंटी वायरल गुण के लिए जाना जाता है, लेकिन किसी वायरस के विरुद्ध यह पहली बार परीक्षण किया गया था।

गिलोय का हमारा शोध सफल रहा। हम अपने शोध पत्र को किसी अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित करेंगे।

प्रो अभिमन्यु कुमार सिंह,
कुलपति, डॉ. एसआरएस राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर

कोरोना से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं, आयुर्वेद है कारगर : प्रो.अभिमन्यु कुमार

– शेरुद्दीन खान

जोधपुर। डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार ने कोरोना वायरस के बारे में दैनिक जलतेदीप से बातचीत में बताया कि इससे डरने की जरूरत नहीं है, संयम रखने का समय है, संयम रखेंगे तो निश्चित रूप से हम इस महामारी से पार पा लेंगे। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा विज्ञान में इस बीमारी से बचाव के बहुत से उपाय है। सबसे जरूरी है व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता, आंतरिक पावर कितना है। व्यक्ति का इम्युनिटी सिस्टम ही उसे बचाने में महत्वपूर्ण है जिसके लिए आयुर्वेद में बहुत सी दवाईया है, मगर भारत सरकार ने जो ... संशमनी वटी (गिलोय का ... जा सकती है। अणु तैल/तिल तैल को नाक में 2-2 बूंद टपकाना आदि रोग से बचाव के लिये प्रतिरोधक क्ष... बढ़ाते हैं। गुरुची एक सामान्य पौधा है जिसका काढ़... जूस को लेने से व्यक्ति की इम्युनिटी बढ़ जाती है औ... रोग से लड़ने की क्षमता प्राप्त होती है। उन्होंने बताय... विवि ने जन समुदाय के लिए एक गाइड लाइन भी तैय... है। इस बीमारी के प्रति हमें सावधान और सतर्क रहना है। ... जागरूकता के लिए विवि ने पांच विशेषज्ञों की एक टीम तै... है जो जितने भी शैक्षणिक संस्थान है उसमें जाकर जागरूक... चलाएगी। आज इस टीम ने आईआईटी, नेशनल लॉ विवि ... विवि में जन जागृति के कार्यक्रम किये। उन्होंने बताया कि ... एक फोल्डर भी जनहित में जारी किया है जिसमें सहज भ... (शेष पृष्ठ 2

भास्कर खास • गुरुची वटी 500 एमजी का मरीजों पर सफल प्रयोग, इस माह टेस्टिंग चलेगी, पूरी दुनिया को राहत

आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने बनाई कोरोना से बचने की दवा, पॉजिटिव मरीजों पर सकारात्मक परिणाम आए, सरकार को सौंपेंगे रिपोर्ट

मनीष बोहरा | जोधपुर

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने कोरोना से बचाव की दवा ढूंढ ली है। विवि ने रिसर्च के बाद पॉजिटिव मरीजों को आयुर्वेदिक ड्रग्स गुरुची वटी दी। इसके प्रारंभिक परिणाम सकारात्मक आए हैं। अब इन पर और डाटा लेकर इसी माह सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी। कोविड-19 के इलाज के लिए अमेरिका से लेकर चीन और ब्रिटेन में ...

4 कैटेगरी में रिसर्च • स्वस्थ, संदिग्ध, संक्रमित व वॉरियर्स पर किया प्रयोग

1. इम्युनिटी बढ़ाना
कोरोना से बचने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता महत्वपूर्ण है। विवि ने ड्रग्स तैयार कर इम्युनिटी बढ़ाने पर जोर देकर 1000 ...

2. क्वारेंटाइन सेंटर
पॉजिटिव के साथ रहने वाले क्वारेंटाइन मरीजों को भी शोध में शामिल किया। इन पर भी दवा के अच्छे परिणाम सामने आए। ऐसे ...

3. कोरोना वॉरियर्स
ऐसे लोग जो मरीजों के बीच रह काम कर रहे हैं। उनके लिए सावधानी बरतते हुए उन्हें बचाने पर जोर दिया। ...

4. पॉजिटिव मरीज
सीधे तौर पर पॉजिटिव मरीजों को अलग तरह की ड्रग्स की जरूरत को देखते हुए काम किया गया ...

आयुर्वेद विवि ने झालामण्ड गांव में लगाए 500 पौधे

जोधपुर@पत्रिका. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा शुक्रवार को अपने गोद ग्राम झालामण्ड में पौधरोपण अभियान के अंतर्गत 500 पौधे लगाए गए। इसमें गिलोय, तुलसी, शतावरी, प्लक्ष, बिल्व खदिर इत्यादि पौधे शामिल हैं। विवि के कुलपति प्रो अभिमन्यु कुमार सिंह ने झालामण्ड के राजकीय सीनियर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि औषधीय पौधे मानव-स्वास्थ्य के लिए प्रकृति की अनुपम भेंट है। इनका संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यकता है।

इस मौके पर कुलपति ने विद्यालय में विश्वविद्यालय द्रव्यगुण विभाग द्वारा शीघ्र ही औषध-वाटिका विकसित करने की घोषणा की।

गिलोय की गोली से कोरोना की काट

जोधपुर स्थित आयुर्वेद विवि को एक महीने तक परीक्षण के बाद मिली सफलता

एलोपैथी की तुलना में आयुर्वेद में नेगेटिव होने की दर आधी

जोधपुर @ पत्रिका. गिलोय के तने से बनी टेबलेट ने कोविड-19 रोगियों को बगैर किसी साइड इफैक्ट के स्वस्थ कर दिया। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एलोपैथी की अलग-अलग दवाइयां जहां 10 से 12 दिन में रोगी को कोरोना पॉजिटिव से नेगेटिव कर रही है वही गिलोय टेबलेट से मरीज 5 से 7 दिन में नेगेटिव आ गए। नेगेटिव दर आधी रहने और नॉन कोरोना मरीजों को भी इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर कोरोना से बचाव के लिए गिलोय दे सकने के कारण अब चिकित्सकों के साथ आम जनता में भी खुशी की लहर है।

एक महीने तक 40 मरीजों पर परीक्षण, एक दर्जन से अधिक टेस्ट

जोधपुर स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार के बोरानाडा कोविड सेंटर में 30 मई से 30 जून तक परीक्षण शुरू किया गया। इसके लिए 18 से 60 वर्ष की आयु के 40 मरीजों का चुनाव किया गया। मरीजों को केवल आयुर्वेदिक उपचार दिया गया। गिलोय की 500 मिलीग्राम की टेब्लेट सुबह-शाम दी गई। कोरोना पॉजिटिव मरीज 3 से लेकर 7 दिन में नेगेटिव आ गए, लेकिन गिलोय का असर देखने के लिए एक महीने तक टेबलेट दी गई। इसके साथ-साथ मरीजों के लीवर, किडनी, हार्ट सहित अन्य फिजियोलॉजिकल टेस्ट किए गए। गिलोय का कोई भी साइड इफैक्ट नहीं मिला।

वायरस के लिहाज से पहली बार गिलोय का परीक्षण

गिलोय का तना इम्यूनिटी बढ़ाने व एंटी वायरल गुण के लिए जाना जाता है, लेकिन किसी वायरस के विरुद्ध यह पहली बार परीक्षण किया गया था।

कम्पोनेंट पर अब शोध संभव

एलोपैथी की दवाइयों में सामान्यतः एक ही कम्पोनेंट होता है जो इफैक्ट या साइड इफैक्ट दिखाता है लेकिन आयुर्वेदिक दवाइयों में पूरी जड़ी-बूटी इस्तेमाल होने से इसमें कई कम्पोनेंट आ जाते हैं। गिलोय में मौजूद कौनसा कम्पोनेंट कोरोना वायरस से लड़ रहा था, इस अब शोध की उम्मीद है।

नॉन कोरोना मरीज 15 दिन ले सकते हैं

स्वस्थ व्यक्ति 500 मिलीग्राम की टेबलेट सुबह-शाम 15 दिन तक लेकर अपनी इम्यूनिटी बूस्ट कर सकते हैं। कोरोना मरीजों को यह एक महीने दी गई थी।

अंतरराष्ट्रीय जर्नल में करेंगे प्रकाशित

गिलोय का कोविड-19 पर हमारा शोध सफल रहा। हम अपने शोध पत्र को किसी अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित करेंगे।

प्रो अभिमन्यु कुमार सिंह,
कुलपति, डॉ. एसआरएस राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर

बवासीर खुजली, दर्द, जलन, खूनी मस्से और कब्ज का सही आयुर्वेदिक समाधान
वासीर जैल व कैप्सूल
हर मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध है। Helpline- 0161-520-1522

नागौरी गेट थाने का नया भवन

fo'ofo|ky; ekuo lalk/ku fodkl dsUnz }kjk vkWuykbZu O;k[;kuksa dk vk;kstu

कोरोना काल में प्रत्यक्ष कक्षाएं बाधित होने से कुलपति महोदय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा छात्रों के हितार्थ निम्नानुसार राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों के ऑनलाईन विभागीय व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

1.	Time Since Death	14/07/20	Dr. Sarita M Kapgate, Associate Professor,College of Ayurved, Bharati Vidyapeeth, Pune, Maharashtra
2.	Viruddha Aahar WSR To Food incompatibility And Food Poisoning	15/07/20	Prof. Smita R Patil, Professor & HoD Dr. DY Patil Ayurved College, Mumbai, MH
3.	Corona and Social Health in Post COVID Secnario n Svstthavritta Perspective	16/07/20	Prof. Kamalesh Sharma, HoD, PG Dept. of Svasthavritta, National Institute of Ayurved, Jaipur
4.	Svasthasya Svasthya Rakshanam	17/07/20	Dr. Jai Singh Yadav, Assistant Professor, Dept. of Svasthavritta, CBPACS, New Delhi
5.	Basic Anatomy of Brain	20/07/20	Dr. Sunil Yadav, Associate Professor, Rachana Sharir, NIA, Jaipur
6.	Ancient Ayurvedic Method Of Preservation of Dead Body And Dissection	21/07/20	Prof. Kumaraswami B. Hiremath, Professor & HoD SJG Ayurved College, Koppal, Karnataka
7.	Basic Principles of Rasa Shastra	22/07/20	Prof. LK Dwivedi, Retd. HoD, PG Dept. of Rasa Shastra & Bhaishajya Kalpana, National Institute of Ayurved, Jaipur
8.	Ayurvedic Approach in the Management of Daibetes Mellitus (Madhumeha)	27/07/20	Prof. Ajay Kumar Sharma, Former Director, National Institute of Ayurveda, Jaipur
9.	Ayurvedic Approach in the Management of Grahani	28/07/20	Ramakant Yadav Associate Professor & HoD, All India Institute of Ayurveda, New Delhi
10.	Analysis of Vednasthapaka and Avsaada Har Dravyas	29/07/20	Prof. Mahesh Chand Sharma, Former Director, NIA, Jaipur
11.	Effectiveness of Herbs in Covid-19 Pandemic	30/07/20	Prof. Mita Kotecha, Professor & HoD, PG Dept. of Dravya Guna, National Institute of Ayurveda, Jaipur
12.	Fundamentals Aspects of Research in Kaumarbhritya	05/08/20	Dr. S. Rajagopal, Associate Professor & HoD, PG Dept. of Bala Roga, All India Institute of Ayurveda, New Delhi
13.	Applied Research Methodology in Kaumarbhritya	06/08/20	Prof. BM Singh, PG Dept. of Kaumarbhritya, Faculty of Ayurved, Institute of Medical Sciences, BHU, Varanasi
14.	Covid-19 in Pregnancy Facts and Prospects	07/08/20	Prof. Bharati Kumaramangalam, HoD, PG Dept. of Prasuti Tantra & Stri Roga, National Institute of Ayurveda, Jaipur
15.	Role of Yoga in Sutika Paricharya	08/08/20	Prof. Baljot Kaur, Dept. of Prasuti Tantra & Stri Roga, SKSS Ayurved College Sarabha, Ludhiana, Punjab
16.	5th Vital Sign- Pulse Oxymetery	10/08/20	Prof. Pawan Godatwar, Head,Roga & Vikriti Vigyana, NIA, Jaipur
17.	Concept of Kha-vaigunya- Common for all diseases	11/08/20	Prof.Shri Krishan Khandel, Prof. (Retd.), PG Dept. of Roga & Vikriti Vigyana, National Institute of Ayurveda, Jaipur
18.	Charak Samhita Adhyayan-Adhyaapan Vidhi	13/08/20	Dr. Murlidhar Paliwal, Associate Professor, PG Dept. of Samhita, Faculty of Ayurved, IMS, BHU, Varanasi
19.	Utility of Pramana in Research.	14/08/20	Prof. Mahesh K. Harit, Dean, School of Ayurveda, DY Patil Deemed University, Nerul , Navi Mumbai.
20.	Diagnosis and Management of Shiro Rogas	14/08/20	Dr. Shamsa Fiaz, HoD, Dept. of Shalakya Tantra, NIA, Jaipur
21.	Netra Kriyakalpa- A Practical Overview	14/08/20	Prof. Manjusha Rajagopala, HoD, PG Dept. of Shalakya Tantra, All India Institute of Ayurveda New Delhi
22.	Basic Principles of Kriya Shaarir and it's applied aspects	19/08/20	Prof. Om Prakash Dadhich, Ex-Professor & HoD, PG Dept. of Kriya Sharir, National Institute of Ayurveda, Jaipur
23.	Importance of Vyadhikshmatva	20/08/20	Prof. Balkrishan Panwar, Dept. of Kriya Sharir, Gurukul Campus, Uttarakhand Ayurved University, Haridwar (UK)
24.	Clinical Efficacy and Safety Measurement of Herbo-mineral Drugs	21/08/20	Prof. PK Prajapati, HoD, PG Dept. of Rasa Shastra & Bhaishajya Kalpana, All India Institute of Ayurveda, Delhi
25.	Precautions during Panchakarma WSR to Pariharya Vishayas	24/08/20	Dr. Prashant Dharmarajan, Assistant Professor, PG Dept. of Panchakarma, All India Institute of Ayurveda New Delhi
26.	Preventive and Promotive Healthcare by Panchakarma	25/08/20	Dr. Gopesh Mangal, HoD, Panchakarma, NIA, Jaipur
27.	Govt. of India Initiatives for Standardization & Quality Control of ASU&H drugs: Pharmacopoeia Commission For Indian Medicine & Homoeopathy	25/08/20	Dr. D.C.Katoch, Advisor (Ayurved) & Director Incharge, Pharmacopoeia Commission For Indian Medicine & Homoeopathy, Ministry of AYUSH, Govt. of India,Delhi
28.	Importance of Fundamental Principles of Sangyaharan (Anaesthesia) in day to day Practice.	06/07/20	Prof. KK Pandey, Sangyaharan Dept., Faculty of Ayurved, Institute of Medical Sciences, BHU
29.	Necrotizing Fascitis-Dushta Vrana	08/07/20	Prof. SJ Gupta, Faculty of Ayurved, Instt. of Medical Sciences, BHU
30.	Evaluation of LUTS- An Ayurvedic Approach	13/07/20	Dr. AK Dwivedi, Shalya Tantra Dept., Faculty of Ayurved, Institute of Medical Sciences, BHU
31.	Urolithiasis in Ayurveda	24/07/20	Prof. Laxman Singh, Shalya, Ex HoD, Shalya Tantra, Faculty of Ayurved, IMS, BHU
32.	Uttarbasti :The Most Promising Non-surgical Treatment of Urethral Stricture	18/08/20	Prof. Narayan Shahane, Govt. Ayurved College, Nanded, MH
33.	Ashtavidha Shastra Karma in Present Scenario	15/09/20	Prof. P. Hemantha Kumar, Shalya Tantra, NIA, Jaipur
34.	Role of Agnikarma	18/09/20	Prof. Mahesh Dixit, Principal, Madan Mohan Malviya Govt. Ayurved College, Udaipur

Research Papers Published

- **A Critical Review Of Medovaha Srotas & Sthaulya In Ayurveda In Reference To Modern Perspective** published in World Journal of Pharmaceutical Research by Dr. Suljeet, MD Sch & Dr. Rakesh Sharma, Associate Professor, PG Dept. of Rachana Shaarir**.**
- **Interrelation Of Thyroid And Parathyroid Glands With Vishuddha Chakra And Udanavata In Ayurved** published in World Journal of Pharmaceutical Research by Dr. Manish Chaudhary & Dr. Anop Singh, MD Scholars and Dr. Rakesh Kumar Sharma, Associate Professor, Prof. Mahendra Sharma, HoD, PG Dept. of Rachana Shaarir
- **A Clinico-Anatomical Aspect Of Kurpara Marma WSR To Tennis Elbow & Golfer's Elbow** published in World Journal of Pharmaceutical Research by Dr. Anop Singh & Dr. Manish Chaudhary, MD Scholars and Dr. Rakesh Kumar Sharma, Associate Professor, Prof. Mahendra Sharma, HoD, PG Dept. of Rachana Shaarir
- **Effect of Ayurvedic Management in Psoriasis – A Case Study** published in International Ayurvedic Medical Journal by Dr. Ekta Sharma & Dr. Vikash Gajraj MD Scholars, Dr. Vinod Gautam, Asst. Prof. & Dr. Pramod Mishra, HOD, PG Deptt. of Kayachikitsa
- **A Comparative Study of Abhayadi Churna, Mashabaladi Kwatha Nasya & Greeva Basti in Manyasthambha** published in International Ayurvedic Medical Journal by Dr. Priyanka MD Scholar, Dr. Pramod Kumar Mishra, HOD, PG Deptt. of Kayachikitsa
- **A Clinical Study of Saraswata Churna And Takra-Dhara Along With Ghrita Nasya In The Management Of Manovsad** published in International Ayurvedic Medical Journal by Dr. Kintul, MD Sch., Dr. Pramod Mishra, HOD, PG Dept. of Kayachikitsa
- **An Ayurveda Management in Amavata W.S.R. Rheumatoid Arthritis-** published in World Journal of Pharmaceutical research by Dr. Renu Sharma MD Scholar, Dr.Vinod Gautam Assistant Professor & Dr. Pramod Kumar Mishra, HOD, PG Deptt. of Kayachikitsa
- **Rasayana Chikitsa: A Complete Therapy to Prevent Ageing** published in International Ayurvedic Medical Journal by Dr. Ekta Sharma MD Scholar, Dr. Pramod Mishra, HOD and Dr. Vinod Kumar Gautam Assistant Professor of PG Deptt. Of Kayachikitsa
- **Effect of Shirodhara in The Management of Essential Hypertension** published in World Journal of Pharmaceutical research by Dr. Vikash Gajraj MD Sch., Dr. Brahmanand Sharma, Assistant Professor and Dr. Pramod Mishra, HOD, PG Deptt. of Kayachikitsa
- **Efficacy Of Ayurveda Treatment Protocol In The Management of Ulcerative Colitis W.S.R. To Pravahika** published in International Research Journal Of Ayurveda & Yoga by Dr. Arif Khan Goran MD Scholar, Dr. Mahesh Kumar, Assistant Professor, Dr. Pramod Kumar Mishra, HOD, PG Deptt. of Swasthavritta & Yoga
- **Sutika Swasthavritta – A Rejuvenation Therapy** published in International Research Journal Of Ayurveda & Yoga by Dr. Nitika Sharma MD Scholar, Dr. Pramod Kumar Mishra, HOD, PG Deptt. of Swasthavritta & Yoga
- **A Brief Review On Role Of Dincharya In Enhancement Of Vyadhikshmatva** in International Research Journal Of Ayurveda & Yoga by Dr.Sakshi Sharma MD Sch., Dr. Anita Sharma, Asst. Professor, Dr. Pramod Mishra, HoD, Deptt. of Swasthavritta & Yoga
- **Concise Review On Daily Regimen Modification To Attain Good Quality Life W.S.R. To Mother And Child Health Care** published in International Research Journal Of Ayurveda & Yoga by Dr. Aakansha Sharma MD Scholar, Dr. Rahul Parashar Assistant Professor, Dr. Pramod Kumar Mishra, HOD, PG Deptt. of Swasthavritta & Yoga.
- **Review on Principles of Food Intake in Indian System of Medicine** published in International Ayurvedic Medical Journal by Dr. Neetu MD Sch, Dr. Harish Singhal, Assistant Professor & Dr. Prem Prakash Vyas, Associate Professor & HoD, PG Dept. of Balaroga.

fo'ofo|ky; ldk; lnL;k }kjk fofHkUu ofcukj vkfn e 0;k[;ku iLrfr

Dr. Prem Prakash Vyas, HoD, PG Dept. of Kaumarbhritya presented lecture in National Webinar on Science Behind Suwarnaprashna on 28 Sep. 2020 organized by Faculty of Ayurved, IMS, BHU

Dr. Prem Prakash Vyas, HoD, PG Dept. of Kaumarbhritya presented lecture in International Webinar on Scope of Ayurvedic Fundamentals in Management of Malnutrition on 3 Sep. 2020 organized by PG Dept. of Bala Roga, State Ayurved College, Lucknow.

Dr. Rakesh Gaur, Assistant Professor, PG Dept. of Kaumarbhritya presented lecture in International Web Conference on Nutrition for Mother & Child Health Care on 24 September 2020 organized by SRM State Ayurved College, Bareilly, UP

Dr. Rakesh Sharma, Associate Professor, PG Dept. of Rachana Shaarir shared views in National Webinar on Applied Aspect of Sroto Shaarir WSR to Medovaha Srotas on 27 July 2020 organized in memory of Lt. Prof. DG Thatte by Arogya Mitra Samiti, Jabalpur, MP

Dr. Rakesh Kumar Sharma, Associate Professor, PG Dept. of Rachana Shaarir presented guest lecture in the Online Guest Lecture Series on 21 September 2020 organized by Faculty of Ayurved, Parul University, Vadodara, Gujarat

Dr. Prem Prakash Vyas, HoD, PG Dept. of Bala Roga shared views regd.care in Covid-19 Pandemic on DD Rajasthan TV Channel.

Dr. Harish Kumar Singhal, Assistant Professor, PG Dept. of Bala Roga delivered lecture in National Webinar on Concept of Balagrah in Today's Perspective on 02.09.2020 organized by Vishwa Ayurved Parishad.

lj{kd	mi lj{kd	lEiknd	lg&lEikn		
iks- ¼Mk-½ vfHkeU;q dqekj	Jherh lhek dfo;k RAS	Mk-jkds'k dqekj 'kek	Mk-ekfudk oek	Mk- v#.k nk/khp	Mk- gjh'k flg?ky
dqyifr	dqylfpo	,lkfl,V iksQlj jpuk 'kkjhj ,o phQ iksDVj	vflLV.V iksQlj ekfyd fl)kUr	vflLV.V iksQlj jkx o fodfr foKku	vflLV.V iksQlj dkekjHkR;

lEid% Mk- loiYyh jk/kkd".ku jktLFkku vk;qon fo'ofo|ky;] dMoM] ukxkj jkM] jk"Vh; jktekx l- 65] tk/kiqj ¼jkt-½

Phone: 0291-2795312, Fax:0291-2795300 E-mail: rau_jodhpur@yahoo.co.in Website: www.education.rajasthan.gov.in/raujodhpur

LoRokf/kdkjh Mk- loiYyh jk/kkd".ku jktLFkku vk;qon fo'ofo|ky;] tk/kiqj dh fy, Mk- jkds'k dqekj 'kek] ,lkfl,V iksQlj] jpuk 'kkjhj foHkkx }kjk idkf'kr ,o efnr rFkk fot; fiUVl] f=ikfy;k ckt kj] tk/kiqj l efnr ,o Mk- loiYyh jk/kkd".ku jktLFkku vk;qon fo'ofo|ky;] tk/kiqj l idkf'krA lEikndh% Mk- jkds'k dqekj 'kek

lok e fi.VM cqd Hkkjr ljdkj dh lokFk